प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
13.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

आयुर्वेद सम्मेलन

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का तीन दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आज से नई दिल्ली में शुरू हो रहा है। यह आयोजन शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले सुश्रुत की जंयती पर किया जा रहा है। आज इस सम्मेलन के पहले दिन दस एंडोस्कोपिक लैप्रोस्कोंपिक सर्जरी का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। परपंरा और तकनीक के समागम वाले इस सम्मेलन में देश–विदेश के पांच सौ से अधिक चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्वानों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन में आयुर्वेद के क्षेत्र में चिकित्सा में हुई प्रगति और उभरती शैलियों को दर्शया जाएगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में पारंपरिक चिकित्सा और ख़ासकर आयुष पद्धति के साथ यांत्रिक मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जोड़े जाने को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। संगठन गे अपनी पहली तकनीकी रिपोर्ट में माना है कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा है कि विश्व संगठन की रिपोर्ट इस बात का प्रमाण है कि भारत तकनीक के इस्तेमाल से पारंपरिक चिकित्सा को आगे ले जाने के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आज चंडीगढ़ जाने का कार्यक्रम है। वह आज दोपहर बाद तीन बजे शिमला से चंडीगढ़ के लिए रवाना होंगे। बरसात के कारण प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगने के लिए मुख्यमंत्री कल दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर सकते हैं ।

मौसम

प्रदेश में मॉनसून सक्रिय बना हुआ है और राज्य में पिछले 24 घण्टों के दौरान व्यापक वर्षा हुई है। भारी बारिश से प्रदेश में सड़क, बिजली और पानी की व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिसके चलते सामान्य जनजीवन अस्त–व्यस्त है। मौसम विभाग ने 18 जुलाई तक कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी करते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। और अधिक ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता.

....

हिमाचल प्रदेश में मानसून की लगातार वर्षा के बीच बीते 24 घंटों में मंडी जिले के मुरारी देवी क्षेत्र में सर्वाधिक 130 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि जिला हमीरपुर के अघ्घर में 100 मिलीमीटर और जिला कुल्लू के कोठी में 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की सूचना के अनुसार 20 जून को हिमाचल प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून के प्रवेश के बाद से अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 18 घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। इन आपदाओं से जनित हादसों में राज्य में अब तक 95 लोगों की मृत्यु हुई है, 175 लोग घायल हैं जबकि 33 लोग अभी भी लापता हैं। प्रदेश में 2 राष्ट्रीय उच्च मार्ग और 250 अन्य संपर्क सड़कों पर यातायात अभी भी अवरुद्ध है। इसके अलावा 787 पेयजल योजनाएं और 327 बिजली ट्रांसफार्मर भी बाधित हैं। प्रशासन द्वारा इनकी बहाली के प्रयास लगातार जारी हैं

भूस्खलन

इस बीच मंडी–पंडोह राष्ट्रीय राजमार्ग चार मील के समीप कल हुए भारी भूस्खलन के कारण अवरूद्ध हो गया है। प्रशासन ने सड़क को बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है।

मणीमहेश यात्रा

चंबा जिला की विश्व विख्यात मणीमहेश यात्रा इस वर्ष आधिकारिक रूप से 16 अगस्त से शुरू होने जा रही है। उपायुक्त चम्बा मुकेश रेपसवाल ने कहा कि आगामी पवित्र मणिमहेश यात्रा के दृष्टिगत 15 जुलाई से 30 जुलाई तक एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत हड़सर से पवित्र डल झील मणिमहेश तक के क्षेत्र में विस्तृत साफ सफाई की जाएगी।

मणीमहेश यात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु हर वर्ष वहां जाते है इस वर्ष बार की हमारी यात्रा 16 अगस्त निर्धारित है तो उसे पहले तो साफ सफाई की व्यवस्था को थोड़ा सुदृढ करने के लिए 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जन भागीदार अभियान चलाया जा रहा है सभी श्रद्धालुओं और सभी चम्बा वासियों से निवेदन करूंगा की इसमें अपनी भागीदारी कर हमारे इस प्रयास है को इसे सफल बनाएं।